14/01
8/11/21

जो बीत गई सो बात गई

— हरिवंश राय बच्चन

कवि परिचय

बच्चन का जन्म 27 नवम्बर 1907 को इलाहाबाद में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम प्रताप नारायण श्रीवास्तव तथा माता का नाम सरस्वती देवी था। इनको बाल्यकाल में 'बच्चन' कहा जाता था जिसका शाब्दिक अर्थ 'बच्चा' या 'संतान' होता है। बाद में ये इसी नाम से मशहूर हुए। उन्होंने कायस्थ पाठशाला में पहले उर्दू और फिर हिंदी की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य के विख्यात कवि डब्लू बी यीट्स की कविताओं पर शोध कर PH.D. पूरी की थी। १९२६ में १९ वर्ष की उम्र में उनका विवाह श्यामा बच्चन से हुआ जब उस समय १४ वर्ष की थी। लेकिन १९३६ में श्यामा की टीबी के कारण मृत्यु हो गई। पाँच साल बाद १९४१ में बच्चन ने एक पंजाबन तेजी सूरी से

विवाह किया जो रंगमंच तथा गायन से जुड़ी हुई थीं। इसी समय इन्होंने नीड़ का निर्माण फिर, जैसे कविताओं की रचना की। इनके पुत्र अमिताभ बच्चन एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं।

जो बीत गई सो बात गई

जीवन में एक सितारा था,

माना वह बेहद प्यारा था,

वह डूब गया तो डूब गया।

अंबर के आँगन को देखो,

कितने इसके तारे टूटे!

कितने इसके प्यारे छूटे।

जो छूट गए फिर कहाँ मिले!

पर बोलो टूटे तारों पर,

कब अंबर शोक मनाता है !
जो बीत गई सो बात गई।
जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उस पर नित्य निछावर तुम,
वह सूख गया तो सूख गया।

मधुबन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ!
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ!
जो मुरझाई फिर कहाँ खिली।
पर बीती सूखे फूलों पर
कब मधुबन शोर मचाता है!
जो बीत गई सो बात गई।